

युवोदय दुर्ग के दूत युवाओं ने करगड़ीह में बच्चों के बीच सृजनात्मकता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने किया आयोजन

'उपशीर्षक' छोटे बच्चों में कला और पुनर्जीवन को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों का आयोजन

पायनियर संवादकाला ◀ दुर्ग

www.dailypioneer.com

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन और युवोदय नोडल अधिय शम्भा, जिस सम्बन्धक शशांक शर्मा के निर्देशन में युवोदय दुर्ग दूत ने एक दिलच्स्प पहल की। युवोदय दुर्ग के दूत से वालीटियस ने ग्राम करगड़ीह में बच्चों के लिए एक रोमांचक सत्र आयोजित किया, जिसमें खासतौर पर चिकित्सक और हस्तशिल्प जैसी रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित था। इस सर्वजनिकता का उद्देश्य न केवल बच्चों की कल्पनाशीलता को प्रोत्साहित करना था, बल्कि उन्हें पुनर्जीवन और सृजनात्मकता के मूलों को समझाना था। सत्र के दौरान, बच्चे उत्साहपूर्वक विषय गतिविधियों में भाग लिया, अपनी कलात्मक क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए और सीखने के लिए उत्सुकता दिखायी। उन्होंने पुनर्जीवन के सामग्री का उत्त्योग करके शानदार कार्यकलाओं और हस्तशिल्पों को बनाया, जिससे उनका पुनर्जीवन और सामग्री को पुनर्जीवन करने की जरूरत को समझने की गयी।



समझ प्रकाश हुई। युवोदय के एक वालीटियर ने बच्चों के उसाह और सृजनात्मकता पर ध्यान केंद्रित किया, कहा, "हमें खुशी है कि ये बच्चे कला और पुनर्जीवन दोनों को कैसे प्रहण करते हैं और अधिक सामर्थ्यवान भविष्य बनाते हैं।" उनकी नवाचारी विचारशाया और समाझ ने हमें सहभागिता दिलाई है।" बच्चे, विषय आयु समूहों में अलग-अलग गतिविधियों में सक्रिय रहे, अपनी अद्वितीय कलाओं और कल्पनाओं का प्रदर्शन करते हुए। मात्र-पिता और समुदाय के सदस्य भी पहल की सरहना करते हुए, बच्चों के विकास और पर्यावरण संवेदना में सत्र आयोजित करने के बारे में सोचा, उन्होंने अपना पहला कदम उठाया, बहुत ही अनुग्रह और उत्साह के साथ अपने गांव की बहरीरी के लिए।

एक कार्यक्रम शुरू किया, जो बच्चों के साथ शुरूआत करना चाहते थे क्योंकि वे गांव का भविष्य हैं। करगड़ीह गांव के सरपंच घनश्यम गजपाल से अनुमति और सहायता लेकर उन्होंने बच्चों को पायोद्यत गतिविधियों सिखाना शुरू किया, स्वयंसेवक द्विमानी और टमेश्वरी चंदेल ने 3-5 वर्ष की आयु के बच्चों को विभिन्न प्रकार की चिकित्सारी के बारे में सिखाया, स्वयंसेवक सारी बाधे और आती वाप ने 5-10 वर्ष की आयु के बच्चों को अपैशुष पदार्थों का उत्योग करके शिल्प के बारे में सिखाया, स्वयंसेवक भूमिका और चंचल ने 10-15 वर्ष और उससे अधिक आयु के बच्चों के बारे में सिखाया, 50 से अधिक बच्चे उस सत्र में शामिल हुए जिनमें ज्यादातर 5-12 वर्ष की आयु के थे और हर बच्चे ने गतिविधियों करने में रुचि दिखाई। स्वयंसेवकों ने उनके साथ बातचीत की और प्रतिक्रिया के रूप में बच्चों ने उनसे हर हफ्ते नई चीजें सीखने के लिए आने का वाप किया और स्वयंसेवकों से शिल्प के लिए जो भी चीजें आवश्यक थीं।

विदेश में नौकरी पाने के द्वासे में युवक ने गंवाये लाखों रूपये पुलिस की अपील: नौकरी के फर्जी प्रस्तावों के द्वासे में ना आवे

पायनियर संवादकाला ◀ रायगढ़

www.dailypioneer.com

रायगढ़ जिले में विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की टारी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की रिपोर्ट एक बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला छाल थाना क्षेत्र का है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कल छाल थाना में संदीप कुमार तिगा पिता लाल साथ तिगा 36 साल निवारी ग्राम पुलुंगा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करते हुए बताया कि कुंदन कार्यालय नाम के व्यक्ति ने कनाडियन एयर लाइन में फ्रूड फिल्म का जांब दिलाने के नाम पर 3 लाख 70 हजार रुपये की खोलायड़ी कर रखी। संदीप तिगा ने यही बताया कि कुंदन कार्यालय के अनुसार 26 फरवरी को जीवा स्टापिंग मुबाहिर में होना है और 28 फरवरी का एक लेटर दिया और टिकट बुकिंग के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये लिया और बोला कि टिकट बुक कर भेज देवा। 10-15 दिन बाद कुंदन टिकट कैस्टल कर बोला कि टिकट एकसंचेंज है जब जीवा स्टापिंग होगा उसी समय बाद टिकट कम्पनी द्वारा मिल गया। उसने उसका दर्ज कर रखा। कुंदन अब संदीप को दबाव बना रहा है कि शिकायत वापस ले ले। संदीप तिगा के लिए निवारन अविवाह पर थाना छाल में आरोपी पर धारा 420 कुंदन के अनुसार 26 फरवरी को जीवा स्टापिंग मुबाहिर में होना है और 15 ओवर में पांच विकेट के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये लिया और बोला कि टिकट बुक कर भेज देवा। 10-15 दिन बाद कुंदन टिकट कैस्टल कर बोला कि टिकट एकसंचेंज है जब जीवा स्टापिंग होगा उसी समय बाद टिकट कम्पनी द्वारा मिल गया। उसने उसका दर्ज कर रखा। कुंदन अब संदीप को दबाव बना रहा है कि शिकायत वापस ले ले। संदीप तिगा के लिए निवारन अविवाह पर थाना छाल में आरोपी पर धारा 420 कुंदन के अनुसार 26 फरवरी को जीवा स्टापिंग मुबाहिर में होना है और 28 फरवरी का एक लेटर दिया और टिकट बुकिंग के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये लिया और बोला कि टिकट बुक कर भेज देवा। 10-15 दिन बाद कुंदन टिकट कैस्टल कर बोला कि टिकट एकसंचेंज है जब जीवा स्टापिंग होगा उसी समय बाद टिकट कम्पनी द्वारा मिल गया। उसने उसका दर्ज कर रखा। कुंदन अब संदीप को दबाव बना रहा है कि शिकायत वापस ले ले। संदीप तिगा के लिए निवारन अविवाह पर थाना छाल में आरोपी पर धारा 420 कुंदन के अनुसार 26 फरवरी को जीवा स्टापिंग मुबाहिर में होना है और 15 ओवर में पांच विकेट के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये लिया और बोला कि टिकट बुक कर भेज देवा। 10-15 दिन बाद कुंदन टिकट कैस्टल कर बोला कि टिकट एकसंचेंज है जब जीवा स्टापिंग होगा उसी समय बाद टिकट कम्पनी द्वारा मिल गया। उसने उसका दर्ज कर रखा। कुंदन अब संदीप को दबाव बना रहा है कि शिकायत वापस ले ले। संदीप तिगा के लिए निवारन अविवाह पर थाना छाल में आरोपी पर धारा 420 कुंदन के अनुसार 26 फरवरी को जीवा स्टापिंग मुबाहिर में होना है और 28 फरवरी का एक लेटर दिया और टिकट बुकिंग के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये लिया और बोला कि टिकट बुक कर भेज देवा। 10-15 दिन बाद कुंदन टिकट कैस्टल कर बोला कि टिकट एकसंचेंज है जब जीवा स्टापिंग होगा उसी समय बाद टिकट कम्पनी द्वारा मिल गया। उसने उसका दर्ज कर रखा। कुंदन अब संदीप को दबाव बना रहा है कि शिकायत वापस ले ले। संदीप तिगा के लिए निवारन अविवाह पर थाना छाल में आरोपी पर धारा 420 कुंदन के अनुसार 26 फरवरी को जीवा स्टापिंग मुबाहिर में होना है और 28 फरवरी का एक लेटर दिया और टिकट बुकिंग के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये लिया और बोला कि टिकट बुक कर भेज देवा। 10-15 दिन बाद कुंदन टिकट कैस्टल कर बोला कि टिकट एकसंचेंज है जब जीवा स्टापिंग होगा उसी समय बाद टिकट कम्पनी द्वारा मिल गया। उसने उसका दर्ज कर रखा। कुंदन अब संदीप को दबाव बना रहा है कि शिकायत वापस ले ले। संदीप तिगा के लिए निवारन अविवाह पर थाना छाल में आरोपी पर धारा 420 कुंदन के अनुसार 26 फरवरी को जीवा स्टापिंग मुबाहिर में होना है और 28 फरवरी का एक लेटर दिया और टिकट बुकिंग के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये लिया और बोला कि टिकट बुक कर भेज देवा। 10-15 दिन बाद कुंदन टिकट कैस्टल कर बोला कि टिकट एकसंचेंज है जब जीवा स्टापिंग होगा उसी समय बाद टिकट कम्पनी द्वारा मिल गया। उसने उसका दर्ज कर रखा। कुंदन अब संदीप को दबाव बना रहा है कि शिकायत वापस ले ले। संदीप तिगा के लिए निवारन अविवाह पर थाना छाल में आरोपी पर धारा 420 कुंदन के अनुसार 26 फरवरी को जीवा स्टापिंग मुबाहिर में होना है और 28 फरवरी का एक लेटर दिया और टिकट बुकिंग के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये लिया और बोला कि टिकट बुक कर भेज देवा। 10-15 दिन बाद कुंदन टिकट कैस्टल कर बोला कि टिकट एकसंचेंज है जब जीवा स्टापिंग होगा उसी समय बाद टिकट कम्पनी द्वारा मिल गया। उसने उसका दर्ज कर रखा। कुंदन अब संदीप को दबाव बना रहा है कि शिकायत वापस ले ले। संदीप तिगा के लिए निवारन अविवाह पर थाना छाल में आरोपी पर धारा 420 कुंदन के अनुसार 26 फरवरी को जीवा स्टापिंग मुबाहिर में होना है और 28 फरवरी का एक लेटर दिया और टिकट बुकिंग के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये लिया और बोला कि टिकट बुक कर भेज देवा। 10-15 दिन बाद कुंदन टिकट कैस्टल कर बोला कि टिकट एकसंचेंज है जब जीवा स्टापिंग होगा उसी समय बाद टिकट कम्पनी द्वारा मिल गया। उसने उसका दर्ज कर रखा। कुंदन अब संदीप को दबाव बना रहा है कि शिकायत वापस ले ले। संदीप तिगा के लिए निवारन अविवाह पर थाना छाल में आरोपी पर धारा 420 कुंदन के अनुसार 26 फरवरी को जीवा स्टापिंग मुबाहिर में होना है और 28 फरवरी का एक लेटर दिया और टिकट बुकिंग के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये लिया और बोला कि टिकट बुक कर भेज देवा। 10-15 दिन बाद कुंदन टिकट कैस्टल कर बोला कि टिकट एकसंचेंज है जब जीवा स्टापिंग होगा उसी समय बाद टिकट कम्पनी द्वारा मिल गया। उसने उसका दर्ज कर रखा। कुंदन अब संदीप को दबाव बना रहा है कि शिकायत वापस ले ले। संदीप तिगा के लिए निवारन अविवाह पर थाना छाल में आरोपी पर धारा 420 कुंदन के अनुसार 26 फरवरी को जीवा स्टापिंग मुबाहिर में होना है और 28 फरवरी का एक लेटर दिया और टिकट बुकिंग के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये लिया और बोला कि टिकट बुक कर भेज देवा। 10-15 दिन बाद कुंदन टिकट कैस्टल कर बोला कि टिकट एकसंचेंज है जब जीवा स्टापिंग होग

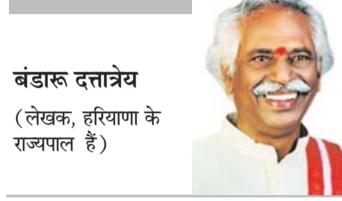
संपादकीय भारत-चीन संबंध सकारात्मक संकेत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक पत्रिका को दिए साक्षात्कार के माध्यम से दिए शांति संकेत पर चीन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया करते हुए कहा है कि इससे द्विपक्षीय संबंधों में स्थायित्व आएगा। अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में विभिन्न देशों के बीच संबंध बनाने में एक सकारात्मक प्रतिक्रिया करना चाहिए, जिसने वाले बयानों का विशेष महत्व होता है। हाल ही में दुनिया के दो सर्वाधिक जनसंख्या वाले देशों-भारत और चीन ने यही किया। सीमा की स्थिति पर कोई गई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी पर चीन की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया आई। 'न्यूज़वीक' पत्रिका को दिए एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीमा पर वर्तमान स्थिति को तुरंत संबोधित करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने आशा प्रकट की कि रचनात्मक संवाद के माध्यम से शांति और सद्द्वाव बढ़ावा दिया जा सकता है। इसकी प्रतिक्रिया में चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओं निंग ने 'गहरे और स्थाई' संबंधों के महत्व पर जोर देते हुए क्षेत्रीय शांति एवं विकास में परस्पर हितों के रेखांकित किया। इस प्रतिक्रिया से सीमा पर तनाव के बावजूद भारत के साथ रचनात्मक संबंध बनाए रखने की चीनी प्रतिबद्धता प्रकट होती है। माओं निंग के बयान में सीमा मुद्रे को व्यापक द्विपक्षीय संबंधों के ढांचे में रखा गया है। सीमा समस्या का महत्व रेखांकित करते हुए सुधीर निंग ने जोर दिया कि यह समग्र रूप से भारत-चीन संबंधों पर भारी नहीं पड़ना चाहिए। यह दृष्टिकोण चीन द्वारा द्विपक्षीय संबंधों के प्रबंधन के प्रति लक्षित है जिसमें मतभेदों से बाहर निकलने के लिए संवाद, सहयोग तथा रणनीतिक सोच को महत्व दिया गया है।

इन बयानों की पृष्ठभूमि में, 2020 में पैगंग सो के निकट हिंसक झटप के बाद सीमा पर व्याप गतिरोध है। डीजीपी सम्मेलन में साझा किए एक शोधपत्र से खुलासा हुआ है कि 65 निगरानी बिंदुओं में से 26 तक पहुंच विवादास्पद है। इसके साथ ही लेकिन इन अंकड़ों को अधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं किया गया है। जून, 2020 में भारत और चीन ने गलवान घाटी के निगरानी बिंदु 14 से अपने सैनिक हटा लिए थे। इसके बाद दोनों पक्षों की ओर से पैगंग सो के उत्तरी और दक्षिणी किनारों से फायरी 2021 तक इसी सीमा अंतराल में गोगरा चौकी के निकट निगरानी बिंदु 17 ए से तनाव घटाने के प्रयास हुए। लेकिन कार्यासी की अनेक बैठकों के बावजूद कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विवाद अब भी बना हुआ है। भारत ने कुछ क्षेत्रों जैसे डेप्सांग व देमचोक से तनाव समाप्त करने पर जोर दिया है। इससे एक समग्र समाधान की दिशा में आ रही चुनौतियां स्पष्ट हैं। भारत और चीन के बीच अच्छे संबंध न केवल दोनों के साझा हित एक ऐसा आधार बनाते हैं जिस पर स्वार्थ व रचनात्मक संबंधों की नींव डाली जा सकती है। भारत इसके साथ ही अपनी रक्षा तैयारियां व सीमा पर ढांचागत संरचना मजबूत करने पर भी जोर दे रहा है।

अंबेडकर : न्याय व समानता के अग्रदूत

भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर ने सभी नागरिकों के लिए मूलाधिकारों तथा संरक्षणों का आधार तैयार किया था। भारत राज डा. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को हुआ था। उनको हमेशा एक न्यायाचित व समावेशी भारत निर्माण में योगदान के लिए याद किया जाएगा। वे सामाजिक न्याय के संरक्षक अग्रदूत तथा समावेशन, न्याय व समानता के मस्तिहा थे। प्रबलास न्यायाचिन, अर्थात् तथा समाज सुधारक के रूप में डा. अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन जाति-आधारित भेदभाव को समाप्त करने तथा हासियाती वर्गों के लिए विवाद के लिए विरोधी वार्ता वाले वर्चित समुदायों के लिए आशा की विरोध बने हुए हैं। हम उनके बाद दोनों पक्षों की ओर से पैगंग सो के उत्तरी और दक्षिणी किनारों से फायरी 2021 तक इसी सीमा अंतराल में गोगरा चौकी के निकट निगरानी बिंदु 17 ए से तनाव घटाने के प्रयास हुए। लेकिन कार्यासी की अनेक बैठकों के बावजूद कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विवाद अब भी बना हुआ है। भारत ने कुछ क्षेत्रों जैसे डेप्सांग व देमचोक से तनाव समाप्त करने पर जोर दिया है। इससे एक समग्र समाधान की दिशा में आ रही चुनौतियां स्पष्ट हैं। भारत और चीन के बीच अच्छे संबंध न केवल दोनों के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि इसका सीमावर्ती क्षेत्रों तथा सारी दुनिया पर प्रभाव पड़ता है। अधिक महाशक्ति और नाभिकीय शक्ति संपन्न देशों के रूप में वे अपने मतभेद दूर कर स्थाई संबंध विकसित करने में सक्षम हैं जो क्षेत्रीय शांति तथा स्थायित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत और चीन के बीच संबंध समाप्त न बनाने का रास्ता संभवतः निरंतर संवाद, विश्वास बहाली उपरों तथा व्यावहारिक समझौतों से निकल सकता है। हालांकि, इस मार्ग में अनेक बाधाएँ हैं, पर दोनों देशों के साझा हित एक ऐसा आधार बनाते हैं जिस पर स्वार्थ व रचनात्मक संबंधों की नींव डाली जा सकती है। भारत इसके साथ ही अपनी रक्षा तैयारियां व सीमा पर ढांचागत संरचना मजबूत करने पर भी जोर दे रहा है।



बापुजी दत्तात्रेय
(लेखक, हरियाणा के राज्यपाल हैं)



लोगों को भेदभाव और उत्तीर्ण का शिकार की प्रति कर दिया। भारतीय संविधान के लिए समर्पित तरह कार्यालय भर में गरिमा और समानता के लिए विरोधी वार्ता वाले वर्चित समुदायों के लिए आशा की विरोध बने हुए हैं। हम उनके बाद दोनों पक्षों की ओर से पैगंग सो के उत्तरी और दक्षिणी किनारों से फायरी से फायरी 2021 तक इसी सीमा अंतराल में गोगरा चौकी के निकट निगरानी बिंदु 17 ए से तनाव घटाने के प्रयास हुए। लेकिन कार्यासी की अनेक बैठकों के बावजूद कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विवाद अब भी बना हुआ है। भारत ने कुछ क्षेत्रों जैसे डेप्सांग व देमचोक से तनाव समाप्त करने पर जोर दिया है। इससे एक समग्र समाधान की दिशा में आ रही चुनौतियां स्पष्ट हैं। भारत और चीन के बीच अच्छे संबंध न केवल दोनों के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि इसका सीमावर्ती क्षेत्रों तथा सारी दुनिया पर प्रभाव पड़ता है। अधिक महाशक्ति और नाभिकीय शक्ति संपन्न देशों के रूप में वे अपने मतभेद दूर कर स्थाई संबंध विकसित करने में सक्षम हैं जो क्षेत्रीय शांति तथा स्थायित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत और चीन के बीच संबंध समाप्त न बनाने का रास्ता संभवतः निरंतर संवाद, विश्वास बहाली उपरों तथा व्यावहारिक समझौतों से निकल सकता है। हालांकि, इस मार्ग में अनेक बाधाएँ हैं, पर दोनों देशों के साझा हित एक ऐसा आधार बनाते हैं जिस पर स्वार्थ व रचनात्मक संबंधों की नींव डाली जा सकती है। भारत इसके साथ ही अपनी रक्षा तैयारियां व सीमा पर ढांचागत संरचना मजबूत करने पर भी जोर दे रहा है।

लोगों को भेदभाव और उत्तीर्ण का शिकार की प्रति कर दिया। भारतीय संविधान के लिए समर्पित तरह कार्यालय भर में गरिमा और समानता के लिए विरोधी वार्ता वाले वर्चित समुदायों के लिए आशा की विरोध बने हुए हैं। हम उनके बाद दोनों पक्षों की ओर से पैगंग सो के उत्तरी और दक्षिणी किनारों से फायरी से फायरी 2021 तक इसी सीमा अंतराल में गोगरा चौकी के निकट निगरानी बिंदु 17 ए से तनाव घटाने के प्रयास हुए। लेकिन कार्यासी की अनेक बैठकों के बावजूद कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विवाद अब भी बना हुआ है। भारत ने कुछ क्षेत्रों जैसे डेप्सांग व देमचोक से तनाव समाप्त करने पर जोर दिया है। इससे एक समग्र समाधान की दिशा में आ रही चुनौतियां स्पष्ट हैं। भारत और चीन के बीच अच्छे संबंध न केवल दोनों के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि इसका सीमावर्ती क्षेत्रों तथा सारी दुनिया पर प्रभाव पड़ता है। अधिक महाशक्ति और नाभिकीय शक्ति संपन्न देशों के रूप में वे अपने मतभेद दूर कर स्थाई संबंध विकसित करने में सक्षम हैं जो क्षेत्रीय शांति तथा स्थायित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत और चीन के बीच संबंध समाप्त न बनाने का रास्ता संभवतः निरंतर संवाद, विश्वास बहाली उपरों तथा व्यावहारिक समझौतों से निकल सकता है। हालांकि, इस मार्ग में अनेक बाधाएँ हैं, पर दोनों देशों के साझा हित एक ऐसा आधार बनाते हैं जिस पर स्वार्थ व रचनात्मक संबंधों की नींव डाली जा सकती है। भारत इसके साथ ही अपनी रक्षा तैयारियां व सीमा पर ढांचागत संरचना मजबूत करने पर भी जोर दे रहा है।

अच्छे संस्कार दिए थे और वे उनको महान संतों की कहानियां सुनाया करते थे। इन संतों में संत तुकाराम, संत ज्ञानेश्वर व उत्तम शिरोमणि गविदास आदि शमिल थे। इसके प्रतिनिधित्व का महत्व उत्तम किया जाता था। वे इनको संवाक्तीकरण और उत्थान के आवश्यक उपकरण मानते थे। उन्होंने ज्यादा समाजीय और न्यूज़वीक अधिकारों की थी। भीमराव अंबेडकर ने दूसरी तरफ भी ग्रीष्मीय विविधातावाला उपकरण के लिए संवाक्ता करने के लिए विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपकरण के लिए एक अधिकारी नियुक्त किया। 1912 में उनको एलिफेंटस्टन हाईस्कूल से एसीट्रीकूलेशन पास किया। 1910 में उनको एलिफेंटस्टन कालेज में अर्थशास्त्र और राजनीति विद्यायियों की ओर संकेत किया जाने के लिए बौद्ध धर्म गहराई से भारतीय विचार प्रतिष्ठित किया गया था। हालांकि, विद्याका द्वारा गहराई विद्यार्थी नहीं किया गया था। हालांकि, इसी विद्याका द्वारा गहराई विद्यार्थी नहीं किया गया था। उन्होंने अपने प्रयासों को समृद्धि लिया और उनको एलिफेंटस्टन कालेज से प्राप्ति प्राप्त किया। 1916 में वे अध्ययन करने लंदन स्कूल के लिए बैठे और उन्होंने एलिफेंटस्टन कालेज से एसीट्रीकूलेशन पास किया। 1920 म

